SSLC Model Examination, Feb. 2019 Hindi Answers

1. सही प्रस्तावः 1

पति का घर ही अपना घर है।

2. तू (तू + का = तेरा) 1

3. **'गुठली तो पराई है' के आधार पर पटकथा** 4

दृश्यः

स्थानः गुठली का घर

समयः सुबह 10 बजे

पात्रः 1. गुठली, 14 साल की लड़की, चूड़ीदार पहनी है।

2. बुआ, 65–70 साल की औरत, साड़ी पहनी है।

संवादः

बुआः गुठलिया, ऐसा पट–पट मत बोलो।

गुठलीः क्यों?

बुआः अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर घर जाकर?

गुठलीः अपना घर? यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई।

बुआः अरी बेवकूफ, यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है। कुछ समझी?

गुठलीः मैं नहीं मानती।

(गुठली बाहर चली जाती है)

4. यहाँ 'दम निकल जाना' का मतलब है 'थक जाना'। 1

5. **जटायु की डायरी–** 4

तारीखः .....

आज मुझे ऊँट पर सवार करने का अवसर मिला। ऊँट पर सवार करना मैं बहुत चाहता था। लेकिन ऊँट को सामने देखते ही मेरी रूह काँप गई थी। फेलू और तोपसे जल्दी ही ऊँट पर चढ़े। लेकिन मैं... डर–डर कर किसी–न–किसी तरह उसपर चढ़ पाया। उसपर चढ़ने के बाद यह डर था कि मैं कब नीचे गिरूँ। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम ऊँटों को बुरी नज़र से देखते हैं लेकिन राजस्थान के लोगों के लिए ऊँट अपना सबसे प्रिय जानवर है। वे ऊँटों को झालर, गहने आदि की सहायता से अच्छी तरह सजाते हैं। जो भी हो आज का अनुभव मैं कभी भूल नहीं सकता। (किसी–न–किसी तरह–ഒരു തരത്തിൽ, കഷ്ടിച്ച്)

6. 'आँखें चमक उठीं' का तात्पर्य है– 'घर के सभी संतुष्ट हो गए'। 1

7. कवि के अनुसार यहाँ 'घर भर की आँखें' का मतलब है घर में रहनेवाले कुत्ते, चूहे, छिपकली, कौआ आदि विभिन्न पशु–पक्षी की आँखें। याने यहाँ घर के सदस्य उपर्युक्त पशु–पक्षी हैं। 2

(उपर्युक्तः മേൽപറഞ്ഞ)

8. **खेती नहीं तो खाना नहीं– पोस्टर** 4

दिसंबर 23 किसान दिवस

खेती नहीं तो हम नहीं

किसान हमारे अन्नदाता हैं

भारत एक कृषिप्रधान देश है

किसानों की उन्नति के बिना देश की उन्नति नहीं होती

अच्छे बीज, खाद, आर्थिक सहायता आदि से

किसानों की सहायता करें खेती का विकास हो

खेती संरक्षण समिति, कण्णूर

(कृषिप्रधानः കാർഷിക बीजः വിത്ത് खादः വളം आर्थिक सहायताः സാമ്പത്തിക സഹായം)

अथवा

खाना जीवों की आधारभूत आवश्यकता है– खेती के महत्व पर लघु लेख। 4

रोटी, कपड़ा, मकान– याने रोटी (खाना) सबसे ज़रूरी मानी जाती है। अर्थात् जीने के लिए खाने की बड़ी प्रधानता रहती है। खाना खाए बिना हम ज़्यादा दिन रह नहीं सकते। गरीबी हमारे देश के विकास में बड़ा बाधा बनता है। खेती के बिना हमें खाना नहीं मिलता। खेती का काम किसान लोग करते हैं। भारत एक कृषिप्रधान देश है। याने किसान हमारे अन्नदाता हैं। खेती के क्षेत्र में नए–नए तकनीकों और तरीकों का इस्तेमाल होना चाहिए। उसके लिए इस क्षेत्र में अधिकाधिक शोध कार्य होने की आवश्यकता है। देश के विकास के लिए किसानों का स्तर बढ़ाना चाहिए और खेती का विकास होना चाहिए।

(बाधाः തടസ്സം तकनीकः സാങ്കേതികവിദ്യ तरीकेः രീതികൾ अधिकाधिकः പരമാവധി

शोधः ഗവേഷണം स्तरः നിലവാരം)

9. गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी ले नहीं सकती थी–

गंगी निम्न जाति की मानी जाती थी। 1

10. जोखू गंदा पानी पी रहा है। 1

गंगी गंदा पानी पी रही है।

11. **जोखू–गंगी बातचीत–** 4

(गंगी हाँफती हुई भागी–भागी अपने घर पहुँचती है)

गंगीः अरे! यह आप क्या कर रहे हैं?

जोखूः मैं क्या करूँ, पानी पिए बिना रह नहीं सकता।

गंगीः तो यह गंदा पानी कैसे पीते हैं? आपकी बीमारी बढ़ जाएगी न।

जोखूः यह प्यास मैं सह नहीं सकता। तुम पानी लाने गई थी न? मिल गया?

(गंगी चुपचाप खड़ी रहती है)

जोखूः क्यों चुप हो? क्या हुआ?

गंगीः मैं पानी ला नहीं सकी। क्या करूँ, ठाकुर और साहू के कुएँ से हम पानी ले नहीं सकते। लेकिन यह कैसा अन्याय है, कितनी बड़ी निर्दयता है!

जोखूः गंगी, उच्च जातिवालों की नज़र में हम निम्न जाति के लोग अछूत हैं।

गंगीः हे भगवान! यह अन्याय कब समाप्त होगा। पानी पिए बिना हम कैसे जिएँगे?

(जोखू गंदा पानी पीता है)

(हाँफती हुईः കിതച്ചുകൊണ്ട് नज़रः ദൃഷ്ടി अछूतः തൊട്ടുകൂടാത്തവർ)

अथवा

गंगी की चरित्रगत विशेषताएँः टिप्पणी

गंगी मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका है। वह निम्न जाति की मानी जाती है। उसका पति जोखू बीमार है। पति को पीने का पानी देने पर पता चला कि वह बदबूदार है। इससे गंगी परेशान होती है। ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाने पर जोखू डाँटता है कि हाथ–पाँव तुड़वा आएगी, बैठ चुपके से। लेकिन वह पीछे मुड़नेवाली नहीं थी। रात को चुपके–चुपके वह ठाकुर के कुएँ से पाने लाने जाती है। अत्यधिक सावधानी से पानी लेते समय ठाकुर का दरवाज़ा खुलता है और गंगी वहाँ से बच जाती है। उसका विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करता है। वह पूछती है कि ये लोग क्यों ऊँच हैं और हम क्यों नीच हैं? उसके मन में उच्च जातिवालों के प्रति विद्रोही भावना उठ जाती है। वह अपने पति से बहुत प्यार करती है। वह जानती है कि गंदा पानी पीने से बीमारी बढ़ जाती है। लेकिन बेचारी अनपढ़ गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी उबालने से उसकी खराबी दूर होती है। संक्षेप में कहें तो प्रेमचंद जी गंगी को एक नायिका के रूप में प्रस्तुत करने में बिलकुल सफल हुए हैं।

(डाँटनाः ശകാരിക്കുക पीछे मुड़नाः പിൻതിരിയുക सावधानी सेः ശ്രദ്ധയോടെ)

12. बेला पाठशाल में पढ़ेगी। 1

साहिल पाठशाल में पढ़ेगा।

13. बेला और साहिल जिस स्कूल में पढ़ते थे वह पाँचवी कक्षा तक का था। अगले साल दोनों अलग–अलग स्कूलों में जानेवाले हैं। बेला राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ेगी और साहिल अजमेर में हॉस्टल में रहकर पढ़ेगा। 2

14. **बेला के नाम पर साहिल का पत्र–** 4

स्थानः अजमेर,

तारीखः .....।

प्रिय बेला,

तुम कैसी हो? तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है? तुम्हारा नया स्कूल कैसा है? घर में सब ठीक हैं न? मैं यहाँ ठीक हूँ।

मैंने यहाँ नए स्कूल में पढ़ाई शुरू की है। छात्रावास (होस्टल) में एक प्रकार का अकेलापन महसूस होता है। नए मित्र मिल रहे हैं। लेकिन मुझे बार–बार तुम्हारी याद आती है। यह एक बड़ा स्कूल है। स्कूल के पास ही छात्रावास है। सारी सुविधाएँ हैं। लेकिन मैं कभी भी तुम्हारी दोस्ती भूल नहीं सकता। यहाँ विभिन्न जगहों के छात्र पढ़ते हैं। छुट्टियों में घर आते समय मैं तुमसे ज़रूर मिलूँगा।

तुम्हारे माँ–बाप को मेरा प्रणाम। तुम्हारे नए स्कूल के बारे में ज़रूर लिखना।

तुम्हारा दोस्त,

(हस्ताक्षर)

साहिल।

सेवा में

बेला. के.,

15, शांति नगर,

फुलेरा।

15. फूलदेई का त्यौहार **बसंत ऋतु में** मनाया जाता है। 1

16. बच्चे फूलों को बिना मुरझाए रखने के लिए रिंगाल की बनी विशेष प्रकार की टोकरी में डालकर पानी से भरे गागरों पर रखते हैं। इससे फूल मुरझाए बिना रहते हैं। 2

17. वाक्य पिरमिड की पूर्ति– 2

टोलियाँ घूमती हैं।

टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

सुबह बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

18. बच्चा खाली बैठते समय एक चीख सुनाई दी। तब वह फ़ौरन नीचे दौड़ा। 2

19. सही मिलान 4

खाली बैठते समय	एक चीख सुनाई दी
नीचे जाकर देखा कि	एक चिड़िया गिरी हुई थी
पिताजी ने चिड़िया का	उपचार किया
ठीक होने के बाद	चिड़िया उड़ गई

तैयारीः रवि. एम., सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल, कडन्नप्पल्लि, कण्णूर, 9446427497.